अक्षय रिलीझ

जुन १९३७

हिन्दुस्तानी और उर्दु गायनोंकी रेकोर्डझ.

HINDUSTANI RECORDS. हिन्दुस्तानी रेकर्डझ.

Chocolate Label Rs 1-12. चोकलेट लेबल रु. १-१२.

Master Dinanath of Balwant Sangit Mandali.
मा. दिनानाथ (बलवंत संगित मंडली.)

MM 7119 { तन जहाज मन सागर ... जयजयवंती.
अब रुतु भर आइ .... बसंत.

मा. दिनानाथ

बलवंत संगीत मंडळीका मालेक और महाराष्ट्रका मशहुर नट मा. **दीनानाथ**की संगित कलासे कोन अंजान है? मा. **दीनानाथ** का मधुर आलाप और संगीत रजु करनेकी पद्धती इतनी सुंदर और दिलचश्प है के एक वख्त मा. **दीनानाथ**का संगीत सुनने वालेको बार बार उस्का संगीत सुननेकी तमन्ना पयदा होती है. यह मशहुर संगीतकार **"तन जहाज मन सागर"** और **"अब रुतु भर आई"** इतनी मधुर हलकसे रजु करता है की यही रेकर्ड खुदही आपको खरीदने की फर्ज पाडेगी

एक बाजू—

तन जहाज मन सागर रत्नाकर अपरंपार

अंतरो

ओघ घाट गुन सागर कोन गुनी तीरीये पार

दुसरी बाजू—

अब रुतु भर आई सब मील रंग उडावत

कुसुम बीरछाइ होले होलाइ

अंतरो

शरद तरुवर फुल छाई कामलता पर बेल छवाइ

सदा रंग मन उमंगत आई

Master Sageer Asif. **मा. सगीर आसीफ.**

MM 7120 { एक बंगला बने न्यारा .... फानी कृत.
प्रेम किये पछताय .... स्वकृत.

मा. सगीर आसीफ.

नाट्यकार मुन्शी आसीफकी शायरी और संगीत कलाका वारसदार **मा. सगीर** "प्रेमसे हय संसार" और "प्रेमही प्रेमीको प्रेम शिखाये" रजु करके अपना संगीत प्रेमीओ की प्रसंशा पा चुका है वो यह रेकर्ड द्वारा "एक बंगला बने न्यारा" और "प्रेम कीये पछताय" इतना मधुर आवाज और मीठ्ठी हलकसे रजु गरता है के **मा. सगीरकी** यह रेकर्ड सुनकर हरकोइ आदमीको उसकी संगीत कलाकी प्रसंशा करनीही पडेंगी.

एक बाजू—

एक बंगला बने न्यारा रहे जीस्मे प्रितम प्यारा
सुंदर हो बंगला सुंदर हो जंगला हम खुश हो जिस्के द्वारा
बने प्रेम रुप वो सास इतनी उंची चोटी पर हो जगसे बने न्यारा
दुनियाकी आंख न देखे हम छुप छुप मोज उडाये
हम देखे तो एक तारा या प्यारा चांद हमारा

दुसरी बाजू—

प्रेम कीये पछताय अब क्युं प्रेम कीये पछताय
अब पछताये कछु न सोहाये कयसे प्रेम दुःख जाय
प्रेमका संकट शीर पडा जब प्रेमी मुरख बन जाय
सुझत नाहीं उपाय

कयसे जीया कल्पाय
प्रेम कीये पछताय

प्रेमकी पतमें रेन गुजारी
दुःखसे छुडादे ओ गीरधारी
प्रेमीका जीवन हो गया भारी

हृदयसे नीकले हाय
सुझत नाही उपाय
प्रेम कीये पछताय

MM 7109 { प्रित न कोइ लगाये — मिश्र खभावती
प्रेम किये दुःख होय — मिश्र जिवनपुरी

MM 7118 { प्रेमसे हय संसार ... — तीलंग.
प्रेमही प्रेमीको प्रेम सीखाये .. — भैरवी.

Blue Lable Rs. 1-8-0. ब्लु लेबल रु. १ ८-०.

Master Amritlal of Navsari. मा. अमृतलाल (नवसारी)

DA 5175 { खेले मधुबनमें लाल ...ठुमरी अमृतलाल
रार करत बृजबंसी बजैया ...भैरवी त्रिवेदी कृत

मा. अमृतलाल

शास्त्रिय पद्धति अनुसार संगीत कला मर्मज्ञ मा. अमृतलाल (नवसारी); गुजराती भाषामें अपनी संगीत कलासे संगीत प्रिय मानवीओमें अपना अनोखा स्थान जमाके "खेले मधुबनमें लाल" और "रार करत बृज बंसी बजैया" गायनो हिंदी भाषामें लेकर यह रेकर्ड द्वारा हिंदी भाषा प्रेमीओको अपनी संगीत कलासे मुग्ध बनाने के लीये आगया है. यह गानाकी मोहक और दिलचस्प तर्ज म्युझीक डीरेक्टर कीकुभाई याज्ञीकने नीकाली है वो सुनकर आप और खुश हो जायेंगे इसी लीये यह रेकर्ड फेरन सुनो. मा. अमृतलाल का संगीत आपको अवश्य मुग्ध बनायेंगे.

एक बाजुः—

खेले मधु बनमें लाल
गोपीयनके संग गोपाल
बंसरी बजाई हां—खेले...
मारे पीचकारी श्याम
मधुर मधुर हसत कान
हमसे तुम करो न बात
तुम हम संग होगी रार—खेले...

दुसरी बाजूः—

रार करत वृज बंसी बजैयो
जसुमत तेरो लाल कनैयो
मखन चोरत गोरस फोरत
थै थै नाचत कुंवर कनैयो—जसुमत...

गैयां चरावत, बन्सी बजावत
नैना लरावत, चित चुरावत
दिल लुभावत, मान भुलावत
गान सुनावत कुंवर कनैयो—जसुमत...

वृंदा वनमें रास रचावत
गोप बाल संग रंग उडारत
हील मीलके पीचकारी मारत
चुंदरी भींजावत कुंवर कनैयो—जसुमत...

DA 5103 { तमारा प्रेम सागरमां ...गझल ....जीवणलाल
वृज वनीता बलीहारी ...काफी ....ब्रह्मभट्ट कृत

DA 5735 { प्रणयनो पंथ अति घनघोर ...भीमपलास....अमृतलाल
तोड तुं बंधन गुलामी ...मिश्रपीलु. त्रिवेदी कृत

URDU RECORDS. उर्दु रेकर्डझ

Blue Label Rs. 1-8-0 ब्लुलेबल रु१-८-०.

Nanni Begum (Gwaliar) नन्नी बेगम (ग्वालीयर)

DA 5178 { अबतो मेरी बिगडीभी सरकार बना दीजे ....नात
या मोहम्मद, या मोहम्मद

ग्वालीयरके सुशिक्षीत खानदान घरानेकी नन्नी बेगम अपना मधुर और मोहक अवाजसे "अब तो मेरी बीगडी भी सरकार बना दीजे" और "या मोहम्मद, या महोम्मद" इतनी दिलचश्प ढंगसे यह दो नात रजु करती है के आप वो सुनके अवश्य उसकी तारीफ करेंगे.

एक बाजू—

अब तो मेरी बीगडी भी सरकार बना दीजे
बीमार महोब्बत हुं लिल्लाह दवा दीजे
एक दीदकी हसरतकी हे दीदार दीखा दीजे
मेहबुब खुदाके हो एजाज़ दिखा दीजे
बेहरे गमे इसयां हुं ओर दुर किनारा है
ओर गोता ज़नी में हुं तिनके काना यारा है
दम तुट गया मेरा कोइ न सहारा है
अब लबपे फक़त बाकी एक नाम तुमारा है
आलमके खेवैया हो डुबा हुं तिरा दीजे

दुसरी बाजू—

या महोम्मद या महोम्मद या महोम्मद
ना हुवा आपसा पैदा कोइ मुमताज नबी
शोहर ये खल्क हुइ आदकी वाला हसबी
आप पर ख़त्म हुइ इज्जते आली न सबी
शाने युसुफ जो दबी भी तो यहीं आके दबी
मरहबा सयदे मक्की मदनी उल अरबी
दी लोजां बादे फीदा ययें अजब खुश लकबी-या महोम्मद [३]
सबा जो हुवे मदीने के तरफ तेरा गुजर
मेरी जाने बसे भी आदाबपे तुं करके नंजर
बलके सररतके दरे पाकपे बादी दोतर
अर्ज करना ब हुजुरे शहे हर जीन्नत बसर
चस्म रहेमत बकुसा सुवे मन अंदाज नजर
ये कुरेसी लक़बी हासीमये मुतलबी—या महोम्मद [३]

Master Gulam Rasul. **मा. गुलाम रसुल.**

DA 5174 { उन्के कबजेमें दिल दे दीया — गझल
कसम है तुमे एक नजर — ,,

मा. गुलाम रसुल.

उर्दु गझल रजु करके संगीत प्रेमीओका चाह जीत जाने वाला मा गुलाम रसुल 'उन्के कबजेमें दिल दे दीया" और "कसम है तुमे एक नजर" इतनी आकर्षक पद्धती से रजु करता है के यही रेकर्ड खुद ही आपको खरीदनेकी फर्ज पाडेंगी.

एक बाजू—

उन्के कबजेमें दिल दे दीया हमने
दीलकी बेताबीमें सोज बी हे साज बी हे
और उस साजमें पयदा अजब अवाज बी हे
शकले जेबां के अजब उस्के कुछ अंदाज बी हे
राज बेराज नहीं होता हे कुछ राजबी हे
ये हसीं ईस तरह क्युं रंजो अलम देते हे
पहले दिल लेते हे और बादमें गम देते हे
रंज दुनीयामें इस बातका हे हमको सगीर
उन्का मतलब जो नीकल जाये दम देते हे
आशीकसाब द नशीब कोई दुसरा न हो
माशुक खुदवी चाहे तो उस्का भला न हो
काबेको जाता हुं नीगा सुवे दैरहे
फीर फीरके देखता हुं कोइ देखता नहीं

दुसरी बाजू—

कसम है तुमे एक नज़र देख लेना
खुदारा मेरीजां इदर देख लेना
मेरी आह सोजे जीगरका धुवां है
ईन आहोका एक दीन असर देख लेना
येही शोकपन हमेको भाया हे जालीम
इधर देख लेना उधर देख लेना
सगीर उन्को मेरा ख्याल हो तो कहेना
गरीबों को भी एक नज़र देख लेना

DA 5131 { हबीबे खुदा शाने वाला महोम्मद — गझल
न थे अरजो समो पयदा — गझल

PUNJABI RECORDS. पंजाबी रेकर्डझ.

Blue Label Rs. 1-8-0 रु. ब्लु लेबल १-८-०

Shamim Begam (Delhi). **शमीम बेगम (दिल्ही)**

DA 5166 { तेरा तुट जाना.... ....नात
यानबी यानबी... ,,

शमीम बेगम.

दिल्हीकी यह मशहुर रेडीओ स्टार और स्टेज डेन्सर शमीम बेगमका नाम संगीत जगतमें काफी मशहुर है? यह प्रख्यात रेडीओ स्टार 'तेरा तुट जाना' और 'यानबी यानबी' इतनी मधुर हलकसे रजु करती है के शमीम बेगम का मधुर और मोहक संगीत सुनके वो खरीनेदी आपको तमन्ना पसदा करेगी.

एक बाजु—

तेरा तुट जाना कुफर गरुर में में नहीं रहेनी ..

ए तोता पींजरे वीच जेडा
ने वीच डोवेगा ए बेडा
उड जाना ए में जरुर—में में नहीं रहेनी ..

में में जी जेडे चुकन दोहाई
टुकडे उन्हा दे करना कसाई
बकरे कीता रेहो फीतुर—में में नहीं रहेनी...

शाह शमस झझबे वीच आया
शराने मेंपा पाहोला हाया
तुं बीना चुक फितुर—मैं मैं नहीं रहेनी...

मेनु छडके तु जो कहेंदे
सुखीओ दुनीयां दे वीच रहेंदे
हासल करदे सब सरुर—मैं मैं नहीं रहेनी...

दुसरी बाजू—

या नबी तेरे इश्कने कुठीया मुठीया तन मन मेरा
या नबी, या नबी, या नबी

नुर तेरेंदी झलक जे पांवां जींदगी अपनी गोल घुमांवा
तुंज बीन महमद केडा मेरा—या नबी, या नबी, यानबी.

झलकमें जेडे तारे दीयां आकाशमें जीस प्यारे दीयां
पार कर ओ बेडा मेरा—या नबी, या नबी, या नबी.

जन्नत दे बीच जान नु फोकन उम्मेत दे फरमान नु रोकन
कर सरकार. न बेडा मेरा—या नबी, या नबी, या नबी.

यसरब वाले प्यारे अहमद सब अखांदे ओ तारे अहमद
क्यों नहीं सुनते जेड़ा मेरा—या नबी, या नबी, या नबी.

MULTANI RECORDS. मुलतानी रेकर्डझ.

BLUE LABEL. Rs. 1-8-0 ब्लु लेबल. रु. १-८-०

Master Tejbhan & Party. मा. तेजभान और पार्टी.

DA 5177 { ना मारवे जालीम तोता... मुलतानी कोमीक.
बुढे होके न शादी करनी .. ,, ,,

मा. तेजभान.

रावलपींडी का मशहुर संगीतकार मा. तेजभान अपनी पार्टी के साथ मुलतानी भाषामें "ना मारवे जालीम तोता" और "बुढे हो के न शादी करनी" अनोखा ढंगसे लेकर अपना संगीत पिपासुओकी तरस बुझानेके लीये मधुर और दिलचश्प अवाजसे यह रेकर्ड रजु करता है और ईस लीये मा. तेजभानकी यह रेकर्ड सीलसीला पैदा करके आपकों इस्की तारीफ करनेकी हरगीज़ फर्ज पाडेंगी इसी लीये यह रेकर्ड अपना आल्बममें फोरन रखके सुनो.

एक बाजू—

मंगलुः—ओ खमीसा ओ ए

खमीसाः—आन्दा पया ओ ए

मंगलुः—संवारा ओ ए

संवाराः—क्या आदी ओ ए

मंगलुः—आवो वय आवो झुंमर मारुं झुंमर

संवाराः—ओ ए मंगलुआ कोई शादी ए

मंगलुः—हा आ

संवाराः—केंदी

मंगलुः—मैंडे पयूदी

खमीसाः—हाहा हाहा ओए बुढाथीकेरेंबी पया परनीदें

गायन.

नमारवे जालम तोना निमांनी जीन्द मैडी कुं
मारदे सांगें पकण पुरंठे पय कीते साग रतेका-नीमाणी
यारदे डीडयां ठर ठर वैन्दीं पेंकें डेखके केसा-नीमाणी
यार आवे तेजी बिस्मिल्ला पयदे सीरवीच सोटा-नीमाणी

दुसरी बाजू—

संवाराः—देखां मंगलु आ रब दे कम

मंगलुः—(रोना) हाय रब्बा मै कीवें करेसां मैयडा हिकोहीको पयू हैं रोटी खटनवाला

संवारा :—न रो मंगलुआ न रो. रबदि डरगाह वीच केंदा चारा नहीं याने सिवाय सबरदे गुजारा नहीं लेकीन तेरे पयु बडी गलती कीती हे जेहडी बुढेपे बीच शादी कीती हैं. सयाने आखदेन शादियां थीन्दीयान त्रे किस्म दियां, पहली शादी छोटयां लारी इन्दा फायदा पियु मांको जो वख्त नाल फारगथी बैंठें. दुजी शादी जवानीधी इन्दा फायदा घोट कुंवारको जो मजे नाल जीन्दगी गुजरी अते तरीजी शादी हाय बुढेपेदी शादी. हाय हमसाइदा फायदा हाय.

मंगलुः—(रो ना)

संवारा :—ओं ए मगलुआ हीक नसीहत चाडयुंचातण कोइ बया बुढा शादी कीते तइयार थया खडा होवे पतातां लग वंजेश.

गायन

बुढे हेा के न शादी करनी
ए शादी बरबादी समझेा लत कबर दे वीच न धरनी
तुसांते तुरदे डेंदें पउंदे जाल तुं साडी हरनी
झीडकां ताहने सहन्दे रहसेा दिह रात लडाइ लडनी

MARWADI RECORDS. मारवाडी रेकर्डझ.

Blue Label Rs. 1—8—0 ब्लु लेबल रु. १—८—०

Shamim Begum (Delhi) **शमीम बेगम. (दिल्ही)**

DA 5179 { म्हारी बाली समधनरो घाघरो मारवाडी गायन
गीलो छोड दोनीरे ,, ,,

रेडीओ और स्टेज द्वारा अपनी संगीत कलासे संगीत पीपासुओका चाह जित जाने वाली दिल्ही की मशहुर शमीम बेगम यह रेकर्ड द्वारा "म्हारी बाली समधनरो घाघरो" और "गीलो छोड दोनीरे" मारवाडी गायन ईतना मधुर और मोहक अवाजसे रजु करती है के वो सुनके आप आफ्रीन पुकारेंगे.

शमीम बेगम. (दिल्ही)

एक बाजू—

म्हारी बाली समधनरो घाघरो चपडासीरो लीयां जाय
फिरंगीरो लीयां जाय चपडासीरो लीयां जाय
कहो तो सगीजी थाने जुटनीयां घडां दउं
झुमकारो लुंजो भारी...म्हारी बाली समधनरो घाघरो
कहो तो सगीजी थाने अंगीयां करां दउं
कुरतोरो लुंजो भारी...म्हारी बाली समधनरो घाघरो
कहो तो सगीजी थाने बंगी करा दउं
चुडलोरे लुंजो भारी...म्हारी बाली समधनरो घाघरो

दुसरी बाजू—

म्हारी समधन धारी आवे गीलो छोड दोनी रे
सगीजी तो एसा मोटा भैंसा माली जोटी
खुने बेठ करावन लागी नायन गुंथे चोटी
सगीजीने हाथीरो भावे आछो नीको रुडो
खुणे बेठ पेरण लागी गज हस्तीरो चुडो
सगीजरी नीपट सांकळी आंगरी नइ आवे
कइ जो सोनी वेन मुंदडी घड लावे...म्हारी

(पीछले महिनेमें बहार पडी हुई मारवाडी रेकर्डेझ)

Nazir Ahmed and Bhagabai
नझीर एहमद और भागाबाइ.

DA 5134 { गोगा शेठजी के शठजी ? कोमीक भाग १
,, ,, ,, ,, ,, २

K. M. Pawar.
के. एम. पवार.

DA 5168 { नेणेरा लोभी राज स्वकृत
कांयने परणायो छोटो कंथ ,,

INSTRUMENTAL RECORDS. वाजींत्रकी रेकर्डझ.

Blue Label Rs. 1—8—0 व्लु लेबल रु. १—८—०

Khan Saheb Abdul Shakurkhan.
खांसाहेब अबदुल शकुरखां

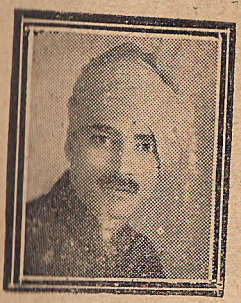

हिन्दुस्तान भरका अजोड सारंगीकार खां. सा. अबदुल शकुरखां सारंगी बजानेमें इतना सिद्ध हस्ती हैं के उस्की बराबरी कवचित कोई सारंगीकार कर शक्ता है. खां. सा. अबदुल शकुरखांकी सारंगिमें इतना दर्द हैं की वो सुनके आपको उस्की वाद्य कलाकी अवश्य प्रशंसा करनाही पडेंगा.

खांसाहेब अबदुल शकुरखां.

DA 5187 { सारंगी... सुलतानी
" पंजाबी पहाडी

[पीछले महीने बहार पडी हुई वाजींत्रकी रेकर्डझ.]

B. M. Devalankar
बी. एम्. देवलंकर.

DA 5108 { सरणाइ. मीश्र काफी
" पट दिपक

DA 5154 { सरणाई झींझोटी
" मिश्र यमन

The Young India Music Party.
धी यंग इन्डीया म्युझीक पार्टी

DA 5120 { ओरकेस्ट्रा मीश्र खमाच
" दुर्गा

Shree Arya Kanya Maha Vidyalaya Party Baroda
श्री आर्यकन्या महा विद्यालय पार्टी (बडोदा)

DM 5124 { ओरकेस्ट्रा
,,

Pro B. K Shastri **प्रो बी. के. शास्त्री.**

DA 5132 { वायोलीन — भुप
,, — मालकोश

DA 5170 { वायोलीन — .. बीहाग
,, — जोनपुरी

[पीछले महीनेमें बहार पडी हुइ हींदी उर्दु रेकर्डझ]

Firoze Dastur. **फिरोझ दस्तुर**

TM 8301 { बिरजमें धुम मचावत... — भीमपलास
तुं कोन रीझावन जाय रे.... — जोनपूरी

TM 8309 { मधु बनमें हो लाला — दुर्गा
कलीयन संग करत रंग — बहा

Master Ahmed Dilawar. **मा. एहमद दिलावर**

TM 8302 { वो कनैया गायजा बांसरी बजायजा — गझ
दिल लगायाथा दिल्लगीकेलीये — गझ

Master Bashir Shad. **मा. बशिर शाद**

MM 7105 { नाहीं परत चैन सजन बीन — पि
ये न थी हमारे किस्मते के — गझ

ser Nissar **मा. निसार**

1 7104	टकराके जिगरको,	गझल
	है अजब तरहकी वेहसत,	,,
1 7108	तेरे इश्कीं इन्तहा चाहता हुं.....	गझल
	सीना किसीकी आतिसे फुरकतसे जलगया...	,,

Mammibai **मिस मम्मीबाई**

5105	छुने न दुंगी शरीर.....	आशा
	अल्लाहु अल्लाहु.....	भैरवी
5127	ना घंटी बजायेंगे	जोगीया
	आज मधुबनमें खेले	मिश्र मांड

it Shivdayal (Kathawachak) **पं. शिवदयाल.** कथावाचक

5107	देखो प्रभुके न्यारे खेल	भाग १
	,, ,, ,, ,,	भाग २

ti Laxmibai Baroda. **श्रीमती लक्ष्मीबाइ** (बडोदा)

8303	मिलादो सखी श्याम	नंद
	आयो वसंत सखीरी	खमाच होरी

labai Kumthekar **वत्सलाबाई कुमठेकर**

3304	लेके खंजर सरे मक्तल	गझल खलील कृत
	आया तेरा मस्ताना	,, ,, ,,
3318	येही हसरते कल्बे...	नात... खलील कृत
	तेरी प्रीतकी आगमें...	,, स्वकृत

KhanSaheb Amanatalikhan of Indore.
खांसाहेब अमानतअलीखां (इन्दोर

MM 7106 { गुरुबिन ज्ञान न सुझे भ
नैनोमें बसे मुरारि मीश्र

MM 7114 { अभी कमसीन है नाज़ ग
उल्फतने तेरी खल्कमें

Master Bhagwati Shankar of Dhrangadhra
मा. भगवती शंकर (ध्रांग

DA 5109 { आये आयेरे मुरारी पट
कैसे कटे रजनी बागे

DA 5149 { मेरे तो गीरिवरधर गुणगान ...दु
बनठन कहां जु चले हो लाल रागेश्री

Shaikhlal Quawal (Nagpur) **शेखलाल कव्वाल** (नाग

DA 5106 { बेकार नहीं के कोई घडी गझल
कालु बलाकी शराब पीला साकी. ,, मुन्सि श्याम

DA 5128 { यस रब वाले झुलो झुलना
तुं है मौला मय हुं बंदा

DA 5125 { हक्क तेगे महोब्बतका .. ग
लाख करो चतुराई

Miss Vilayat Begum **मिस विलायत बे**

DA 5126 { दिले बिमार बेहलाता नाही. (गझल) मुन्शिरफीक
इस कदर जुल्मो सीतम. (गझल) ,,

DA 5153 { सितमें निकाब है... गझल मुन्शि श्याम
फरीयाद आहो लबपे... ,, ,, रफीक

Master Gangaram Gaikwad Quawal.

मा. गंगाराम गायकवाड कवाल.

DA 5113	सुलताने अरब	कवाली
	कछु जगमग जगमग	,,
DA 5169	रहे रवे राहे आदमका	...गझल
	इस खाकके पुतलेमें	,,

Master M. Amin. मा. एम्. अमीन.

DA 5111	आंख लडना ही ना	सींध भैरवी
	न जाने कितने	सिंधुरा

Pandit Hansaraj Madan पंडित हंसराज मदन.

MM 7111	बनमें चरावत गैयां	मालगुंजी
	हो रसीयां मेंतो शरण तीहारी	दुर्गा

H. Masih. एच. मसीह

MM 7112	आजा आजा छबीली अलबेली	तीलक कामोद
	क्या आग लगा कर के.....	गझल.

Joharabai of Delhi. जोहराबाई (दिल्ही)

MM 7115	जो हे एहले दिल	गझल
	लहेदमें भी मेरे	,,

Nazir Ahmed & Bhagabai नाझीर आहमद और भागाबाई

DA 5133	बुढापेकी हीमाकत	भाग १ कोमीक
	,,	,, २ ,,
DA 5151	शरीफ बदमाश	भाग १. कोमीक
	,,	,, २. ,,

Master Asharafkhan. **मास्टर अशरफखान.**

MM 7117 { गुरुज्ञानी दाता.... भजन
लेता कयुं नहिं प्यारा नाम.... ,,

Master Govindrao Yellapurker.
मास्टर गोविंदराव येल्लापुरकर.

DA 5163 { प्रभु तुम कैसे दीन दयाळ .. भजन
बसो मोरे नैननमें नंदलाल... ,,

FILM RECORDS. **फिल्म रेकर्डझ.**

Green Label Rs. 2-0-0 **ग्रीन लेबल रु. २-०-०**

Firoz Dastur. **फिरोझ दस्तुर.**

TM 8320 { पडी बीपत्ा भारी हे भगवान. फील्म "आत्म तरंग"
रखली लाज मोरे प्रभूने आज... , , ,,

TM 8321 { जगतमें प्रेम बडा बलवान... फील्म "आत्म तरंग"
कैसी प्रेम बसंत रुतु ... ,, ,, ,,

TM 8322 { जप नाम हरि हर नारायण... फील्म "आत्म तरंग"
झूटा ये संसार ... ,, ,, ,,

पूर्णिमा फिक्चर्स, मुंबई.

T M 8323 { शीव शंभो तेरी अब प्रीत फील्म 'शेवरोलेट १९३६'
साजन छाइ घटा सावनकी ,, ,, ,,

T M 8324 { मन कैसे समजाऊं... फील्म 'शेवरोलेट १९३६'
जीवनमें अब दर्द भरा है... ,, ,, ,,

T M 8325 { जुठी है सब जगत की माया...फील्म 'शेवरोलेट १९३६'
हरि नाम अब तुं भजले ... ,, ,, ,,

मीनर्वा फिल्म कंपनी. "नामाचा महिमा" (मराठी)

TM 8311 { नामाचा महिमा येणेंची पै ब्रह्म. फिल्म ' नामाचा महिमा'
आकल्प आयुष्य वहावे तया कुळा ,,

TM 8312 { विष्णुसी भजला शिव दुरावला.फिल्म ' नामाचा महिमा"
विठ्ठल माऊली कृपेची सांवली ,, ,,

TM 8313 { ये ग ये ग विठाबाई... फिल्म ' नामाचा महीमा"
कां गा नयेसी विठ्ठला विठ्ठला... ,, ,,

TM 8314 { नाम फुकट चोखट फिल्म "नामाचा महिमा"
माय मेली बाप मेला... ,, ,,

TM 8315 { लागो मना छंद... फिल्म "नामाचा महिमा."
गाइ विठ्ठलाचे नामा... ,, ,

DA. 5184	ہوگا سیٹھ جی کے سیٹھ جی / حصہ اول اردو ڈرامی کا مک	
	" " " " دوم "	

ماسٹر اشرف خان

MM. 7117	گرو اگیانی دانا	بھجن
	لیتا کیوں نہیں پیارا نام	"

ماسٹر صغیر آصف

MM. 7118	پریم سے ہے سنسار	تلنگ
	پریم ہی پریمی کو پریم سکھائے	بھیرویں
MM 7109	پریم کے دکھ ہوے	

وتسلا یامی کمٹھیکر

TM. 8304	لیکے خنجر سرِ مقتل	غزل از خلیل
	آیا تیرا مستانہ	" از خلیل
TM. 8318	یہی حسرت قلب	نعت خلیل
	تیری پریت کی آگ	از خود

ماسٹر گنگا رام گائیکواڈ

DA. 5113	سلطان عرب	قوالی
	جگ مگ جگ مگ	"
DA. 5169	رہرو راہِ عدم	غزل
	اس خاک کے پتلے میں	

پنڈت ہنسراج مدن

MM. 711	بن میں چراوت گیا	مال گونجی
	ہور سیا میں تو شرن تہاری	درگا

ایچ۔ مسیح

MM. 7112	آجا آجا چھیلی البیلی	تلک کامود
	کیا آگ لگا کر کے	غزل

زہرہ بائی دہلی

MM. 7115	جو ہے اہل دل	غزل
	لحد میں بھی میرے	"

ماسٹر غلام رسول

DA. 5131	حبیبِ خدا شان والا محمد	نعت
	نہ تھے ارض و سما پیدا	"

نظیر احمد اینڈ بھاگا بائی پارٹی

DA. 5153	بڑھاپے کی حماقت	حصہ اوّل
	"	" دوم
DA. 5154	شریف بدمعاش	حصہ پہلا
	"	" دوسرا

ماسٹر ایم امین

DA. 5111	آنکھ لڑتا ہی نا	سندھ بھیرویں
	نہ جانے کتنے ملاپنے	سندھ ہوراگ

ماسٹر صغیر آصف

DA. 5109	پریت نہ کوئی لگاوے	مصر کھماوتی
	پریم کئے دکھ ہوئے	جیون پوری

ولایت بیگم

DA. 5126	دلِ بیمار بہلاتا نہیں	غزل
	اس قدر ظلم و ستم	
DA. 5153	ستم نقاب ہے	غزل از شیام
	فریاد و آہ لب پہ	" از رفیق

شیخ لال قوال ناگپور

DA. 5106	بیکار نہیں ہے کوئی گھڑی	غزل
	قالو بلی کی شراب پلا ساقی	"
DA. 5128	یثرب والے جھولو جھولنا	نعت
	تو ہے مولا میں ہوں بندہ	"
DA. 5152	حق تبع محبت کا	غزل
	لاکھ کرو چتورائی	"

DA. 5127	ناگھنٹی بجائیں گے	جوگیا
	آج ہر ھوبن میں کھیلے	مصر مانڈ

پنڈت شیو دیال کتھاواچک

DA. 5107	دیکھو پربھو کے نیارے کھیل	حصہ اول
	〃	حصہ دوم

شریمتی لکشمی بائی بڑودہ

TM. 8303	للادو سکھی شیام	نند راگ
	آیو وہ بسنت سکھی ری	کھماج ہوری

خانصاحب امانت علیخان

MM. 7103	گرو بن گیان نہ سوجھے	بھجن
	نینوں میں بسے مراری	مصر مانڈ
MM. 7114	ابھی کمسن ہے	غزل
	الفت نے تیری خلق میں	〃

ماسٹر بھگوتی شنکر (دھرانکدرا)

DA. 5109	آئے آئے رے مراری	پٹ دیپک
	کیسے کٹے رجنی	باگیسری
DA. 5119	میری تو گری ور دھر گن گان	درگا
	بن تھھ کہاں جوں چلے ہو لال	راگیسری

بہلے کے ہندی اردو کے ریکارڈ

فیروز دستور

TM. 8301	بیرج میں دھوم مچایا	بھیم پلاس
	تو کوں رجھاؤں جائے رے	جونپوری
TM. 8309	مدھوبن میں ہو لالہ	درگا
	کلین سنگ کرت رنگ	بہار

ماسٹر احمد دلاور

TM. 8302	او کنہیا گائے جا بانسری بجائے جا	غزل
	دل لگایا تھا دل لگی کے لئے	"

ماسٹر بشیر شاد

MM. 7105	ناہیں پڑت چین بجن بن	پیلو
	یہ نہ تھی ہماری قسمت کہ	غزل

ماسٹر نثار

MM. 7104	ٹکرا کے جگر کو	غزل
	ہے عجب طرح کی وحشت	"
MM. 7108	ترے عشق کی انتہا چاہتا ہوں	"
	سینہ کسی کی آتشِ فرقت سے جل گیا	"

مس ممی بائی

DA. 5105	چھونے نہ دونگی شریر	آشا
	اللہ ہو اللہ ہو	

T.M. 831	یگ بگ وٹھا بائی	(فلم تاراچہ مہیما)	
	کانگانہ بیسی وٹھلا	"	"
T.M. 831	نام اوگٹ چوکھٹ	"	"
	مائے میلی باپ میلا	"	"
T.M. 831	لاگو منا چھند	"	"
	گالی وٹھلا چے نامہ	"	"

شایع شدہ ہندوستانی ریکارڈیں

پہلے کے تیار شدہ ریکارڈ

بی۔ ایم۔ دیولنکر

DA. 5108	شہنائی	مصر کافی
	"	بیٹ دیپک
		جھنجھوٹی
DA. 515	شہنائی	مصر بہن
	"	

دھی بنگ انڈیا میوزک پارٹی

D.A. 5120	آرکیسٹرا	مصر کھماج
	"	درگا راگ

آریہ کنیا مہاودیالیہ پارٹی۔ بڑودہ

D.A. 5166	آرکیسٹرا	
	"	

مسز وا فلم کمپنی بمبئی — اتم ترنگ

T.M. 8320	پڑی پتا بھاری ہے بھگوان ۔	فیروز دستور	فلم اتم ترنگ
	رکھو لی لاج مورے پربھو نے آج	〃	〃
T.M. 8321	جگت میں پریم بڑا لمولان	〃	〃
	کیسی پریم بسنت رو تو	〃	〃
T.M. 8322	چھوٹا یہ سنسار	〃	〃
	جب نام ہری ہر نارائن	〃	〃

پرتما پکچرس بمبئی

شیورولٹ سنہ ۱۹۳۶ء

T.M. 8323	شیو شنبھو تیری اب پریت	فلم شیورولٹ سنہ ۱۹۳۶ء	
	ساجن چھائی گھٹا ساون کی	〃	〃
T.M. 8324	من کیسے سمجھاؤں	〃	〃
	جیون میں اب درد بھرا ہے	〃	〃
T.M. 8325	جھوٹی ہے سب جگ کی مایا	〃	〃
	ہری ناؤ اب تو بھیج لے	〃	〃

مسز وا فلم کمپنی بمبئی ۔ تاماچا مہیما (مرہٹی)

T.M. 8311	تاماچا مہما	فلم تاماچا مہیما	
	اکلپ ایوشیہ	〃	〃
T.M. 8312	وشنو سمی بھیج لا	〃	〃
	وٹھل مادلے	〃	〃

سازکی گذشتہ ریکارڈیں

بی۔ ایم دیولنکر

D.A. 5108	شہنائی	مصر کافی
	"	بیٹ ڈیپو
D.A. 5154	شہنائی	جھنجھوٹی
	"	مصوبین

بینگ انڈیا میوزک پارٹی

D.A. 5120	ارچسٹرا	مصر کھماج

شری آریہ کنیا مہاودیالے پارٹی

D.A. 512	ارچسٹرا	

پروفیسر بی۔ کے شاستری

D.A. 517	وایولین	ہوک
	"	مالکوش
D.A. 513	وایولین	بہاگ
	"	جونپوری

فلمی ریکارڈیں

سبز لیبل عام

FILM RECORDS
Green Lable Rs. 2/

نذیر احمد بھاگا بائی اینڈ پارٹی

DA. 5134 — گوگا سیٹھ جی کے چرمی — کامک حصہ اول و دوم
〃 〃

ماسٹر کے۔ ایم پوار

نیرے راسو بھی راج — مارواڑی گانا
کاے نے پرنایو جھوٹو کنتھ — 〃

INSTRUMENTAL RECORDS
ساز کی ریکارڈیں

Price Rs. 1/8/- — بلو لیبل ۸ عدد

خان صاحب عبدالشکور خان

DA. 5187 — سارنگی (ملتانی)
(پنجابی لیا بڑی)

اب ہندوستان کے پایۂ ناز سازندوں میں شمار کئے جاتے ہیں۔ اب سارنگی نہایت اعلیٰ پیمانے کی بجاتے ہیں اور اس فن میں آپ کو کمال حاصل ہے۔ ضرور سنئے اور خرید یئے۔

دوسری طرف

سنوارا۔ دیکھاں منگلو آرب دے کم

منگلو۔ (رونا) ہاے رتا ہیں کیویں کر سیاں میڈا ہیکو ویہو ہے۔ روٹی کھٹن والا

سنوارا۔ نہ رو منگلو از رو۔ اب دی درگاہ وچ کریندا چارا انہیں انے سوا اس پردے گذارہ نہیں۔ لیکن تیرے پیو دی بڑی غلطی کیتی ہے جیہڑی بوڑھے پہ بیچ شادی کیتی ہیس سیانے آکھدے شادیاں تھندیاں تیرے قسم دیا۔ پہلی شادی چھوٹیاں لادی اندا فوی را پیو ماکو جو وقت نال تھی فارغ بیٹھے۔ دوجی شادی جوانیدت اندا فوی دا کھونٹ کنوار کو جو مجے نال جند کی گذری لنے ترجیحی شادی ہاے بیڈھے پیدی شادت ہاے ہم شاید اپھیدا ہاے

منگلو۔ (رونا)

سنوارا۔ اوائے منگلو اہیک نصیحت تاڑیو چا متن کوئی بیا بوڑھا شادی کیتے تیار تھیا کھڑا ہوے پتا تا لگو جیش

گانا

بوڑھے ہو کہ نہ شادی کرنی

شادی بربادی سمجھو۔ لت فیر دے وچ نہ دھرنی

توسانتے تر ڈیندے ہیدے پاوی جال توساڈی ہرنی

جھڑکاں طعنے سہندے رہوڈ بھر رات لڑائی لڑنی

ملتانی زبان کے گانے نہایت دلچسپی اور کمال سے گا کر شائقین سے داد طلب کرلی ہے۔ اس مرتبہ بھی آپ ضرور خوش ہونگے۔

ایک طرف

منگلو ۔ اوکھیا اورے
کھیا ۔ اندا یا اورے
منگلو ۔ سنوارا اورے
سنوارا ۔ کیا اونھے اوائے
منگلو ۔ آاودے آؤ جھومر مارو جھومر
سنوارا ۔ اورے منگلو آ کوئی شادی رے
منگلو ۔ ہا آ ۔
سنوارا ۔ کین دی
منگلو ۔ میرے پیو دی
کھیا ۔ ہا ہا ہا ہا ۔ اے ۔ اے ۔ پور کھا تھی کبرے بھی پیا بنتی ہے

گانا

نہ مارو ے ظالم طوطا نجانی حندِ میڈی کوں
مار دے سلوڑ بڑن پورا تھے پیا کیتے ساگرنو کا۔
یار دے اٹھیاں ٹھر ٹھر و نیند رپے کو ڈ بکھ کے کوسا
یار اوے نبی بسمل اللہ پیدے سرور

دوسری طرف

ماری سمدھن بھاری روے	گیلو چھوڑ دونی رے
سگی جی تو ایسا موٹا	بھینسیا بالی جوٹی
کھوے بیٹھ کراون لاگی	تاین گو نتھے چومی
سگی جی نے پاتھی رو بھاڑے	آچھو ریکو توڑ دو
کھونے بیٹھ بیرین لاگی	گج ہستی رو جوڑو
سگی جی ری نکٹ سا تہریں	اگری نی روے

کیجو سوئی کیں مونڈری گھڑ لاوے۔ ماری سمدھن گیلو چھوڑ دونی

ملتانی ریکارڈ MULTANI RECORDS

ماسٹر تیج بھانڈ اور پارٹی Tej Bhand & Party

D.A. 5177 { نہ مارو ظالم ..... کاٹک
" ..... " "

آپ راولپنڈی کے باشندے ہیں اور ملتانی موسیقی میں کافی مہارت رکھتے ہیں جسکی وجہ سے آپ وہاں بہت زیادہ مشہور ہیں۔ آپ کے گائے ہوئے ریکارڈ اس قدر مقبول ہونگے کہ سامعین بہت زیادہ مسرور ہونگے۔ آپ

MARWADI RECORDS ماڑی ریکارڈ

Shamim Begum (Dehli) شمیم بیگم دہلی

ماری بالی سمد معندر وگھا گھرو گیلو چھوڑ دانی رسے	D.A. 517	مارواڑی گانے

شمیم بیگم جنکی مشہور و معروف ہستی ہے موسیقی کی دنیا بخوبی واقف ہے اس مرتبہ نرالی دکھت میں مارواڑی موسیقی میں اپنی بے نظیر ریکارڈیں پیش کرکے آپ سے خراج تحسین وصول کرتے آرہی ہیں جنکی سریلی تانیں آپ کے کانوں میں مدتوں گونجتی رہیں گی۔ ضرور سنکر خریدیے۔

پہلی طرف

ماری بال سمدھن نو گھاگھرو ۔ چیرا سیو لیو جائے
فرگی او لیو جائے ۔ چیرا سیو لیو جائے
کہو تو سگی جی تھانے جوٹیاں گھڑا دوں۔ چھکارو لیجو بھاری۔ ماری بالی سمدھن نو
او ہو تو سگی جی تھانے رنگیا کرا دوں۔ کرتو رو لیجو بھاری " " "
او ہو تو سگی جی تھانے ہنگڑی کرا دوں۔ چوڑلو او لیجو بھاری " " "

تیرا ٹوٹ جانا	نعت	D.A. 5166
یا نبی یا نبی	نعت	

دہلی کی یہ مشہور و معروف ریڈیو سٹار اور مغنیہ کی ہستی مزید تعارف کی محتاج نہیں۔ آپکی سریلی تانیں اور دلکش آواز سے شائقین موسیقی بے حد مسرور ہوئے ہیں۔ ایک مرتبہ آپکی ریکارڈ سنیں گے تو مدتوں دل میں چٹکیاں لیا کرے گی۔

ایک طرف

تیرا ٹوٹ جانا کفر غرور میں میں نہیں رہتی

او طوطا پنجرے وچ جیڈا اے وچ ڈو بیگا اے بیڈا۔ اڑ جانا اے میں غرور مے جی جیڈے چکن دوہائی۔ ٹکڑے اوڈھادے کرنا کسائی۔ بکرے کتا ریو فتور شاہ شمس حذبے وچ آیا۔ شرانے میدان یا ہو لوہایا۔ تو تہا چک فتور میں نو چھڑکے تو جو کہدے۔ سکھدیو دنیا دے وچ رہ دے۔ حاصل کر دے سب سرور

دوسری طرف

یا نبی تیرے عشق نے کیتھاں لیٹھیاں تن من میرا۔ یا نبی یا نبی یا نبی نور تیرے دی جھلک جے پاواں۔ زندگی اپنی گول گھماواں۔ تجھ بن احمد کیڈا نارا۔ یا نبی یا نبی یا نبی جھلکت ہیں چرڑے یار دیا عاشق ہیں جس پیار دیا۔ یار کر دو بیڑا میرا۔ یا نبی جنت دے وچ جاں نو فوکن۔ امت دے فرمان نو روکن۔ کر سرکار بیڑا میرا۔ یا نبی یثرب والے پیار ے احمد۔ سب کھاڈے او نار احمد۔ کیوں نہیں سنتے جیڈا میرا۔ یا نبی یا نبی

از حد قابل شنید ہیں آپ سنکر بے حد مسرور ہونگے ۔

ایک طرف

انکے قبضہ میں دل دے دیا ہم نے — دل کی بیتابی میں سوز بھی ہے ساز بھی ہے
اور اس ساز میں پیدا عجب آواز بھی ہے — شکل زیبا کے عجب اسمیں کچھ انداز بھی ہے
راز بے راز نہیں ہوتا ہے کچھ راز بھی ہے

یہ حسیں اسطرح کیوں رنج والم دیتے ہیں — پہلے دل لیتے ہیں پھر بعد میں غم دیتے ہیں
رنج دنیا میں ہے اس بات کا ہم کو حقیر
عاشق سا بد نصیب کوئی دوسرا نہ ہو — معشوق خود بھی چاہے تو اسکا بھلا نہ ہو
کعبہ کو جاتا ہوں دلکا گاہ سوئے دیر ہے — پھر پھر کے دیکھتا ہوں کوئی دیکھتا نہیں

دوسری طرف

قسم ہے تمھیں اک نظر دیکھ لینا — خدارا مری جاں ادھر دیکھ لینا
مری آہ سوز جگر کا دھواں ہے — ان آہوں کا اک دن اثر دیکھ لینا
یہی شوخ ہی ہم کو بھایا ہے ظالم — ادھر دیکھ لینا ادھر دیکھ لینا
حقیر ان کو میرا خیال ہے تو کہنا — غریبوں کو بھی اک نظر دیکھ لینا

جبیب خدا شان والا محمد — غزل
نہ تجھ ارض وسما پیدا — DA. 5131

پنجابی ریکارڈ PANJABI RECORDS پنجابی ریکارڈ

Blue Lable Rs. 1-8-0 — بلو لیبل عہ

Shamim Begum (Dehli) — شمیم بیگم دہلی

رکھتی ہیں۔ جسکا پہلا ثبوت آپکے سامنے یہ ریکارڈ ہے ضرور سُنئے۔

ایک طرف

ابتو مری بگڑی بھی سرکار بنا دیجے	بیمارِ محبت ہوں للہ دوا دیجے
ایک دید کی حسرت ہے دیدار دکھا دیجے	محبوب خدا کے ہو اعجاز دکھا دیجے
بحرِ غم عصیاں ہے اور دور کنارہ ہے	اور غوطہ زنی میں ہوں تنکہ کا سہارا ہے
دم ٹوٹ گیا میرا کوئی نہ سہارا ہے	اب لب پہ فقط باقی اک نام تمہارا ہے

عالم کے کھیو یا ہو ڈوبا ہوں ترا دستیجے

دوسری طرف

یا محمد یا محمد یا محمد

نہ ہوا آپ سا پیدا کوئی ممتاز نبی	شہرۂ خلق ہوئی آپکی والا نسبی
آپ پر ختم ہوئی عزت عالی نسبی	شانِ یوسف جو دبی بھی تو یہیں آکے دبی
مرحبا سید مکی مدنی العربی	دل و جاں باد فدایت چہ عجب خوش لقبی یا محمد
صبا جو ہو مدینے کی طرف تیرا گذر	میری جانب سے بھی آداب تو کر کے نذر
بلکہ سر رکھ کے درِ پاک پہ بہ عز و فر	عرض کرنا بہ حضور شہ ہر جن و بشر
چشم رحمت بکشا سوئے من انداز نظر	اے قریشی لقبی ہاشمی و مطلبی۔ یا محمد

ماسٹر غلام رسول **Master Gulam Rasul**

D.A 6

ان کے قبضہ میں دل دے دیا	غزل
جان پر بن گئی	غزل

اپنی شیریں آواز اور نرالے انداز کے باعث موصوف کے متالیقین موسیقی میں مہارت حاصل کی ہے وہ محتاج بیان نہیں۔ آپکی اس مرتبہ کی مندرجہ بالا دو ریکارڈ ہیں

بنے پریم روپ دو سانس اٹکی اور کچھ ہو جائے نہ ہمارا
دنیا کی آنکھ نہ دیکھے ہم چھپ چھپ موج اڑائیں
ہم دیکھیں تو اک تارا ماہ پارا چاند ہمارا
ان دونوں کا کیا ڈر ہے جب اپنا ہی وہ گھر ہے
پرکاش ہمیں یہ دے دے جیوں کی جیوتی لے دے
ہم دونوں ملکر گائیں اے ایشور پریم نبھائیں

دوسری طرف

پریم کئے پچھتائے اب کیوں پریم کئے پچھتائے۔ اب پچھتائے کچھ نہ سہائے کیسے پریم دکھ جائے
پریم کا سنگٹ شیر پڑا جب۔ پریمی مور کھو بن جائے۔ سوجھت ناہیں اوپائے
کیسے جیا کلپائے۔ پریم کئے پچھتائے۔ پریم کی پت ہین ہین گذاری۔ دکھ سے چھڑا دے او گردھاری
پریمی کا جیوں ہو گیا بھاری۔ ردے سے نکلے ہائے۔ سوجھت ناہی اوپائے۔ پریم کئے پچھتائے

پریت نہ کوئی لگائے	(مسٹر کھبانی)	MM. 7109
پریم کئے دکھ ہوئے	(" جیوں پوری)	
پریم سے ہے سنسار	(تلنگی)	MM. 7118
پریم ہی پریمی کو پریم سکھائے	(بھیرویں)	

Blue Lable بلو لیبل قیمت عہ Rs. 1-8-0

Master Amritlal ماسٹر امرت لال نوساری والا

کھیلے مدھوبن میں لال (ٹھمری) (از امرت لال نوساری)		D.A. 5175
روٹھی کرت دونو نینسی بھیجو (بھیرویں)		

امرت لال نوساری والا نے گجراتی گانے گا کر ہندوستان کی موسیقی کی دنیا میں جسقدر شہرت اور ہر دلعزیزی حاصل کی ہے اسی قدر شہرت اور مقبولیت اب انھوں نے ہندی گانوں سے جلو شائقین موسیقی سے خراج تحسین حاصل کرنیکا موقع حاصل کیا ہے۔ آپ یہ ریکارڈ ضرور سنیں۔

ایک طرف

کھیلے مدھوبن میں لال۔ گوپیں کے سنگ گوپال۔ بنسری بجائی ہاں کھیلے

ماری پچکاری شیام مدھور مدھور ہنت کان

ہم سے تم کرو نہ بات تم ہم سنگ ہوگی رار کھیلے

دوسری طرف

لاگرت ورج بنسی بجیو۔ جسومت تیرو لال کنیو۔ ماکن بورت گورس توریت۔ تھے تھے ناچت کنور کنیو

گنیاں چراوت بنسی بجاوت۔ نینا لڑاوت چت چراوت۔ دل لبھاوت۔ بھاں بھلاوت۔ گان سناوت کنور کنیو

ورندادن میں راس رچاوت۔ گوپ بال سنگ رنگ اڑاوت ہل مل کے پچکاری مارت۔ چندر کی بھاوت کنور کنیو

D.A. 5103

تمھارا پریم ساگرما — غزل — از جیون لال

ورج وتیتا بلہاری — کافی — پریم بھٹ

D.A. 5135

پیر نے تو پنتھ رنی گھنگھور — ھمپلاس

توڑ دوں بندھن غلامی — مشرپیلو

از امرت لال نرودی

نئی بیگم

Nanni Beguam

D.A. 5178

ابتو مری بگڑی بھی سرکار بنا دیجے — نعت

یا محمد یا محمد یا محمد — نعت

آپ ایک اعلیٰ خاندان کی تعلیم یافتہ مغنیہ ہیں۔ آپ موسیقی میں کافی مہارت

ضرور سنئے۔

پہلی بازو

تن جہاز من ساگر ۔ رتنا گرا بر میار
اوٹ گھاٹ گن ساگر ۔ کون گئی نرئے پار

دوسری طرف

اب رت بھر آئی سب مل رنگ اُڑاوت
کسوم پر چھائی ہولی ہلائی ۔
شرد تر ور پھول پھائی ۔ کالنتا پر میل چھوری
سدا رنگ من امنگت آئی

Master Sagir Asif

ماسٹر صغیر آصف

MM 7120 — اک بنگلا بنے نیارا / پریم کنج بچھائے

ماسٹر صغیر آصف دنیائے موسیقی میں بار بار کھلبلی مچا چکے ہیں۔ آپ کے شیریں نغموں سے سامعین اسقدر مست ہو چکے ہیں کہ بار بار آپکی ریکارڈیں طلب کیگئی ہیں۔ منشی آصف کی شاعری اور موسیقی نے آپکے سینہ میں گھر کر لیا ہے اور اسی لئے اب ہر بار نہایت کامیابی کے ساتھ موسیقی سے خراج تحسین حاصل کرنے رہے ہیں۔

ایک طرف

اک بنگلا بنے نیارا رہے پریتم جسمیں پیارا
سندر ہو بنگلا سندر ہو جنگلا ۔ ہم خوش ہوں جسکے دوارا

اکتوبر
جون

ریلیز
سنہ ۱۹۳۷ء

اُردو گانوں کے ریکارڈ

۱۰ انچ دونوں بازو والے

اردو ریکارڈ **URDU RECORDS** اردو ریکارڈ

چاکلیٹ لیبل قیمت عہ۱۲

Master Dinanath

ماسٹر دیناناتھ (بلونت سنگیت ناٹک منڈلی)

of Balwant Sangit Natak Mandli.

M.M. 7119	تن جہاز من ساگر	جے جے ونتی
	اب رت بھر آئی	بسنت

بلونت سنگیت منڈلی کے مالک مسٹر دیناناتھ سے موسیقی کی دنیا بخوبی واقف ہے۔ آپ کی سریلی تانوں سے سننے والے مست ہو جایا کرتے تھے آج پھر وہی موسیقار آپکے سامنے ایک نرالی دلکھب اور نئی طرز میں پیش ہو کر موسیقی کی دنیا میں انقلاب عظیم پیدا کرنا چاہتے ہیں